3rd Sunday of Advent - December 15, 2013

Readings:

R1: **Is 35:1-6a,10**

R2: **Jas 5:7-10**

Gospel: **Mt 11:2-11**

एक बार एक महाविद्यालय के अध्यापक ने एक समाज सेवा में मास्टर्स (MSW) करने वाले छात्र से कहा, ''क्यों नहीं आप गरीब लोगों की भलाई करने वाला सस्था के ऊपर अपना पेपर लिखे।'' उन्होंने उसे यही ठीक समझा।

वह छात्र हिन्दु धर्म का था। उन्होंने सोचा इसकी जानकारी एक ख्रीस्तीय पुरोहित यानि फादर से लें और वह जानकारी प्राप्त करने के लिए एक फादर के पास जाता है। फादर ने उन्हें सिर्फ कैथलिक धर्म के चलाये जाने वाले समाज सेवा का विवरण दिया। उस छात्र को यह सुनकर ताजूब हो गया कि कितने फादर्स, धर्म–भाई, धर्म–बहन, लोकधर्मी गरीब लोगों की सेवा में जूटे है। वह फादर से विदा होने से पहले कहता है, हमें, हिन्दु लोगों को इसकी जानकारी नहीं है, क्यों नहीं आप लोग इस सेवा के बारे में लोगों को सही जानकारी दें।

यह एक दुःखद सच है कि प्रभु येसु द्वारा स्थापित इस धर्म में कितने धर्मार्थ समाज सेवा और लोगों की भलाई के बारे में कार्य कर रहे है इसकी जानकारी न केवल अन्य धर्मावलम्बी लोग जानते हैं बल्की हमारे कैथोलिक लोगों को ही इसके बारे में जानकारी नहीं है।

आज के सुसमाचर में योहन बपतिस्ता जो बन्दीगृह में था, येसु के कार्यों की चरचा सुन कर अपने शिश्यों को उनके पास यह पूछने भेजता है, ''क्या आप वही है जो आने वाले हैं, या हम किसी और की प्रतीक्षा करें?येसु ने उन्हें उत्तर दिया, जाओ और जो तुम सुनते और देखते हो, उसे योहन को बता दो – अन्धे देखते हैं, बहरे सुनते हैं, मुरदे जिलाये जाते हैं, दरिद्रों को सुसमाचार सुनाया जाता है।''

जिस तरह प्यारे भाइयो और बहनो, प्रभु ने इस संसार में जो भलाई का कार्य आरम्भ किया था उसी को कलीसिया ने जारी रखा। और हमें, हर एक ख्रीस्तीय को इसकी जानकारी होनी चाइिए

भारत देश में सिर्फ 2% ख्रीस्तीय हैं उसमें केवल कैथोलिक कलीसिया 13467 स्कूल, 984 समाज सेवा संस्था, 615 वृद्धालय, 1012 अनाथालय, 443 HIV/AIDS पुनार्वास केन्द्र, 637 अस्पताल, 2055 स्वास्थ केन्द्र एवं dispensaries चला रही हैं (The Catholic Directory of India 2013).

यह गणना केवल भारत देश में, जहाँ मात्र 2% कैथोलिक है, इतनी बड़ी संख्या में समाज सेवा सस्था, अनाथालय, अस्पताल, पुनार्वास केन्द्र चला रहे हैं। अगर दुनिया भर के कैथोलिक लोगों के द्वारा चलाये जाने वाले सस्थाओं को देखें तो इसकी संख्या कितनी होगी। इसके अलावा कितने ही ख्रीस्तीय लोग व्यक्तिगत रूप से गरीबों की मदद कर रहें हैं यह तो सिर्फ ईश्वर ही जानता है।

जी हाँ प्यारे भाइयो और बहनो, भलाई करना प्रभु येसु का कार्य (निशान) था और अब, यह कलीसिया का निशान बन गया है, और भलाई हर एक ख्रीस्तीय का निशान होना चाहिए, आइए आज जब हम आगमन काल में प्रभु येसु के पुनरागमन की तैयारी कर रहे हैं प्रभु से वादा करें कि वह निशान जो प्रभु येसु ने स्थापित किया था उसे आगे बढ़ायेंगे। आमेन।

फादर आर्चिबॉल्ड डि'सिल्वा